ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹਿ

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
जहाँ सेवा ही जीवन – ध्येय है

पी.एस.बी

Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)
Where service is a way of life

दिनांक 05-07-2021 को बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुमीत जैरथ (आई.ए.एस.), सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री राजेश श्रीवास्तव, उप निदेशक (कार्यान्वयन) और श्री विक्रम सिंह सोढ़ी, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान को भी अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। सर्वप्रथम बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने मुख्य अतिथियों का पुस्तक भेंट कर औपचारिक स्वागत किया। प्रधान कार्यालय राजभाषा विभाग की हिंदी तिमाही ई–पत्रिका राजदीप के जून–2021 अंक का विमोचन समस्त उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया तथा प्रधान कार्यालय राजभाषा विभाग द्वारा बैंक के राजभाषा कार्यान्वयन क्षेत्र में उपलब्धियों पर पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी गई। इसके बाद प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदय ने उपस्थित मुख्य अतिथियों, उच्चाधिकारियों और विडियो कॉफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े आंचलिक कार्यालयों के अधिकारियों को संबोधित किया।

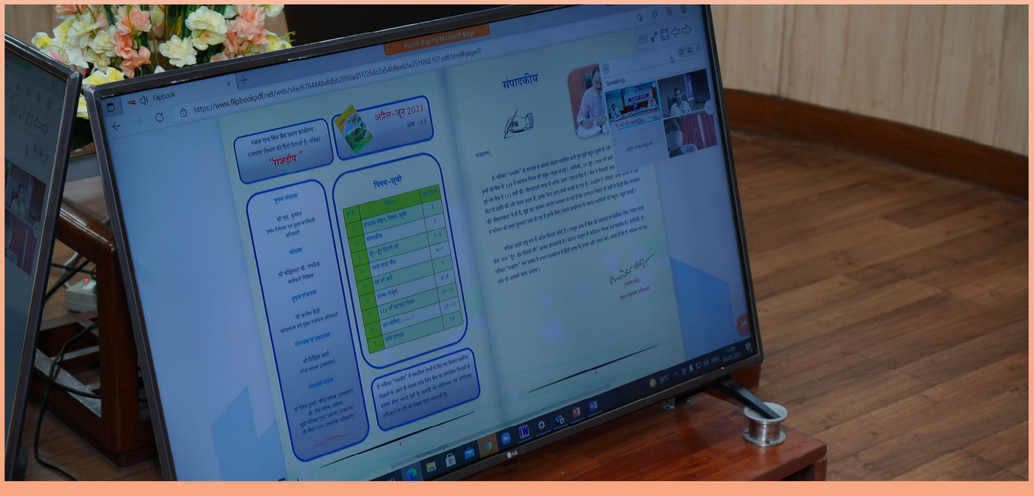

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के संबोधन के बाद मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित डॉ. सुमीत जैरथ (आई.ए.एस.) ने 'राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में 12 प्र की भूमिका' पर प्रकाश डाला तथा विभिन्न आंचलिक प्रबंधकों से राजभाषा हिंदी के प्रयोग, कार्यालयीन कार्य में हिंदी के सरलीकरण तथा सरल हिंदी के प्रयोग के लिए आग्रह किया। डॉ. जैरथ ने कहा यदि उच्चाधिकारी स्वयं हिंदी का प्रयोग करेंगे तो अधीनस्थ कर्मचारी इससे प्रेरित होंगे।

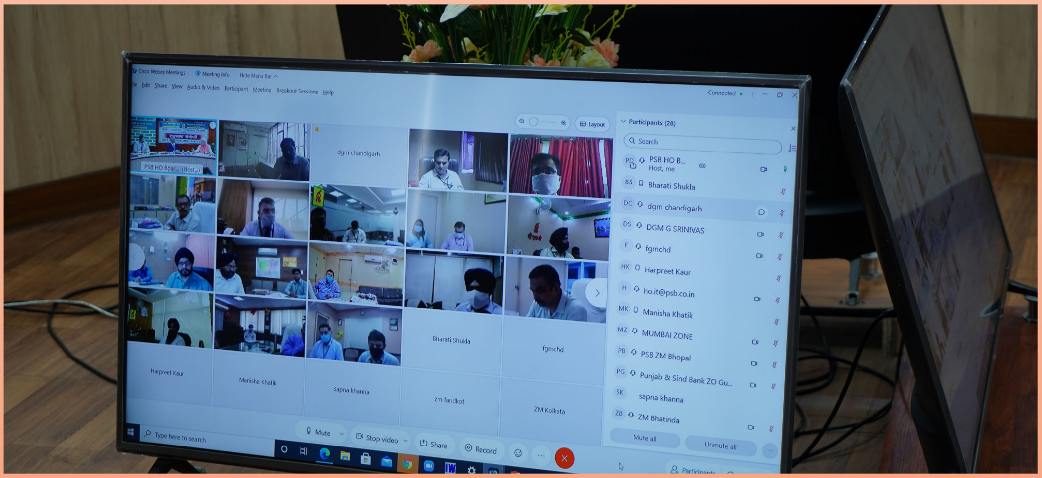

आगे स्मृति आधारित अनुवाद टूल 'कंठस्थ' पर विशेष सत्र के लिए श्री राजेश श्रीवास्तव, उप निदेशक (तकनीकी व कार्यान्वयन), गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग को आमंत्रित किया गया। श्री राजेश श्रीवास्तव ने पीपीटी तथा ऑन–लाइन के माध्यम से कंठस्थ का प्रशिक्षण दिया, इस दौरान उन्होंने सहभागियों को होने वाली समस्याओं व शंकाओं का निराकरण भी किया। सत्र समापन पर डॉ. सुमित जैरथ (आई.ए.एस.) ने उपस्थित सहभागियों से कंठस्थ में अधिकाधिक टीएम अपलोड करने और इसके उपयोग पर बल दिया। साथ ही आश्वस्त किया कि कंठस्थ से संबंधित किसी प्रकार की समस्या हेतु सहायता के लिए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग सदैव उपस्थित है।

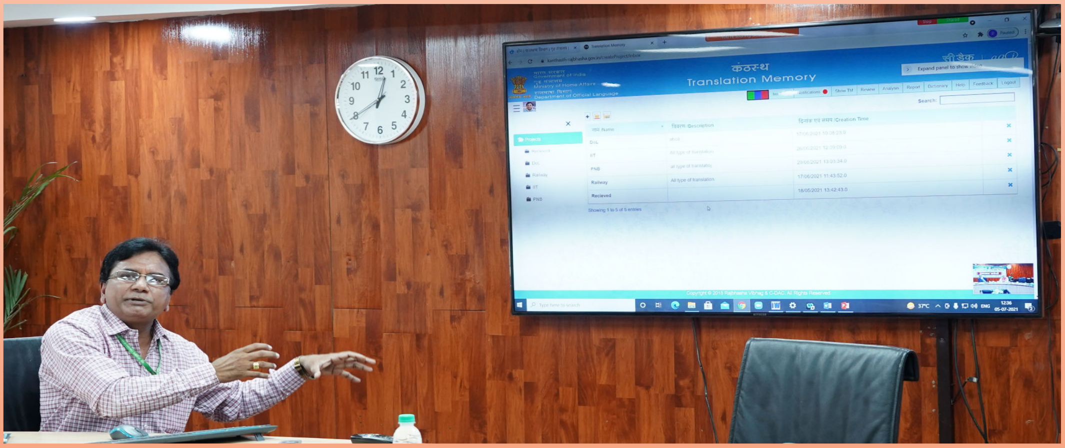

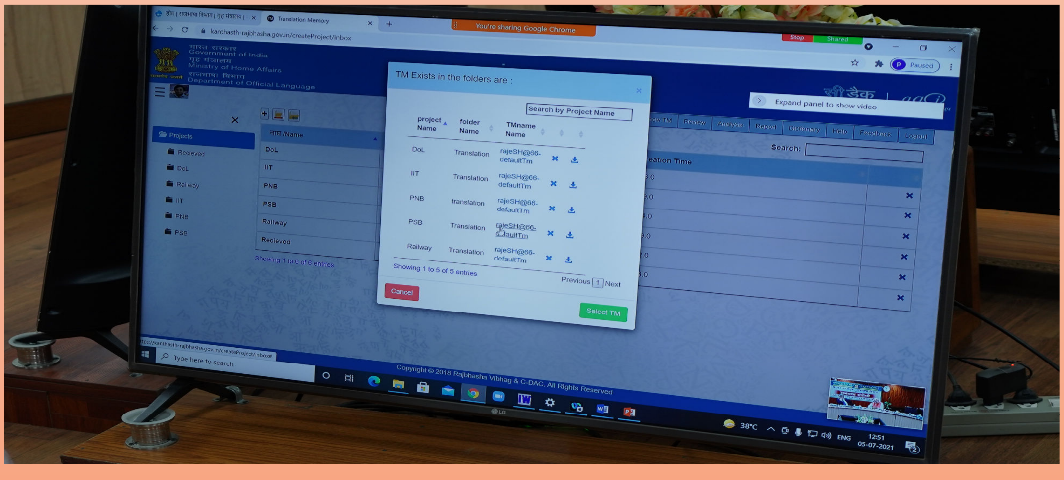

कंठस्थ के पश्चात 'हिंदी प्रवाह लीला' का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया जिसके लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग में सहायक निदेशक के पद पर पदस्थ श्री विक्रम सिंह सोढ़ी को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री सोढ़ी ने हिंदी प्रवाह लीला के माध्यम से ऑन–लाइन हिंदी भाषा के प्रशिक्षण के तीनों स्तर प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ पर प्रकाश डाला।

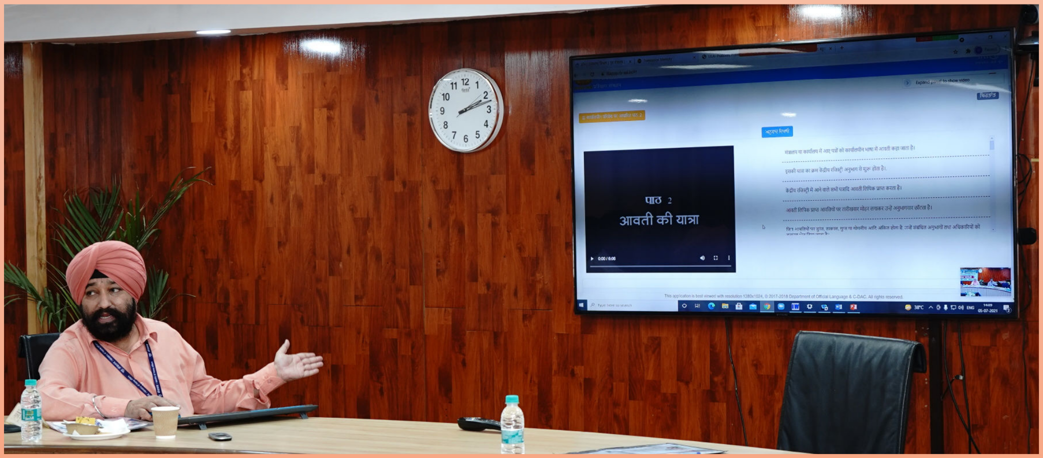

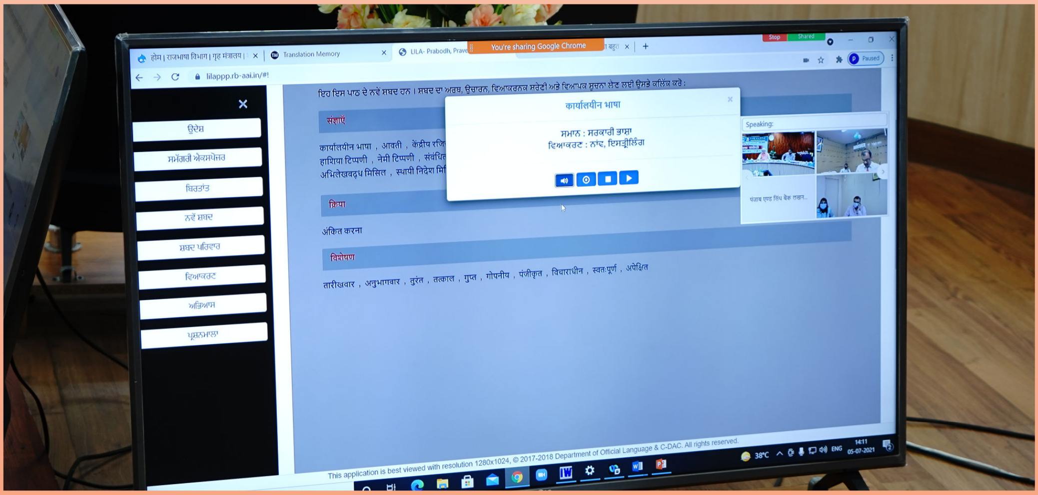

संगोष्ठी में प्रधान कार्यालय में पदस्थ महाप्रबंधक और उप महाप्रबंधक (स्वतंत्र प्रभार) ने सहभागिता की। समस्त अंचल कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख और राजभाषा अधिकारियों ने विडियो कॉफ्रेसिंग के माध्यम से संगोष्ठी में भाग लिया।